



## SATTAL CONSERVATION CLUB

REGISTRATION NO:UK06605112018000647

सेवा में

माननीय तीरथ सिंह रावत जी

मुख्यमंत्री, उत्तराखंड

विषय: सातताल में प्रस्तावित सौंदर्यकरण परियोजना से पर्यावरण को होने वाले नुकसान के संबंध में।

आदरणीय महोदय,

सविनय निवेदन इस प्रकार है की सातताल नैनीताल जिले में स्थित प्राकृतिक सौंदर्यता लिए हुए झील से सटा क्षेत्र है। एक तरफ़ जहाँ नैनीताल जिले के बाकी क्षेत्र पर्यटन के दुष्प्रभावों का सामना कर रहे हैं, वहीं सातताल अपने आसपास की जैव संपदा की वजह से अभी भी दुष्प्रभावों से अछूता है। यह क्षेत्र अपने प्राकृतिक सौंदर्य एवं जैव विविधता के लिए भारतवर्ष में महशूर है। देश भर से पक्षी प्रेमी यहाँ पर प्रवास करने वाले पक्षियों का दीदार करने एवं यहाँ की जैवविविधता का आनंद लेने आते हैं।

सातताल में पाई जाने वाले प्रमुख पक्षियों में माउंटेन हॉक ईगल (Mountain Hawk Eagle), स्कूप्स आउल (Scoops Owl), ब्राउन फिश आउल (Brown fish owl) ब्राउन वुड आउल (Brown Wood Owl), लॉन्ग टेल्ड बोराडबिल (Long Tailed Boradbill), ब्लैक थ्रोटेड बुश टिट, (black throated bush tit), हिमालयन ब्लूटेल (Himalayan bluetail), कॉमन ग्रीन मेगपाई (Common Green Magpie) चेस्टनट हेडेड टेसिया (Chestnut Headed Tesia), ब्लू विंग्ड सिवा (blue winged Siva), लेमन रंपड वेबलर (Lemon Rumped Wabblar), ब्लैक फ्रैंकोलिन (Black Francolin), रूफस थ्रोस्टेड पार्टरिज (Rufous Thorated Partridge), रेड बिल्ड लियोथेरिक्स (red-billed leiotherix), इंडियन व्हाइट आई (Indian White Eye), इंडियन पैराडाइज फ्लाइचैचर (Indian Paradise flycatcher), फायर ब्रेसटेड फ्लोवरपैकर (Fire-breasted flowerpacker), ग्रीन टेल्ड सनबाईर्ड (green tailed sunbird), स्केली थ्रश (scaly thrush), लॉन्ग बिल्ड थ्रश (Long-billed Thursh), खलीज फिसेंट (Khalij Pheasant), पर्पल सनबर्ड (Purple Sunbird), क्रिमसन सनबर्ड (Crimson Sunbird), व्हाइट थोरेटेड लाफिंगथर्श (White-throated Laughingthrush), आदि हैं, जिनको

देखने के लिए देश भर से सैलानी यहां आते हैं। सातताल में पाई जाने वाली पक्षियों की 35-45% प्रजातियाँ वन सीमित हैं, अर्थात् वे किसी अन्य आवास प्रकार जैसे कि उद्यान, बाग, आदि में जीवन यापन नहीं कर सकती है। साथ ही इस क्षेत्र में बहुत से पेड़ पौधे, जानवर, सरीसर्प एवं कीट वर्ग आदि मौजूद हैं जो यहाँ की जैव विविधता को बहुआयाम प्रदान करते हैं। सातताल क्षेत्र में २०० से अधिक तितलियों की प्रजाति पाई जाती है जो यहां की जैव विविधता को दर्शाने के लिए काफी है। साथ ही क्षेत्र में फ्लाइंग स्क्वैरल, वाटर स्नेक्स, किंग कोबरा, हिमालयन सराव, तेंदुआ, आदि भी पाए जाते हैं जिनका अस्तित्व यहां के जैव विविधता से जुड़ा हुआ है।

इस वक्त सातताल में चल रही परियोजना के अंतर्गत यहां के क्षेत्र में मौजूद जंगली झाड़ियों को काट कर यहां पर कंक्रीट का निर्माण कार्य किया जाना है। इस कार्य से यहां पर निवास करने वाले बहुत से पक्षियों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। जैसा पहले भी बताया गया था कि यहां निवास करने वाले ३५ से ४५ प्रतिशत पक्षी वन विशेषज्ञ है जो मानव निर्मित बाग, बगीचों आदि में नहीं रह सकते, अतः सातताल के प्राकृतिक स्वरूप से छेड़छाड़ का दुष्परिणाम यहां के बेजूबान पशु पक्षियों एवं प्राकृतिक संपदा को उठाना पड़ेगा। कंक्रीट के निर्माण से यहां की झील पर भी विपरीत प्रभाव पड़ेगा।

महोदय, हम सभी जनवासियों का आपसे विनम्र निवेदन है कि इस परियोजना पर तत्काल रोक लगा कर यहाँ की जैव संपदा को बचाने की महती कृपा करें।

सादर धन्यवाद

सातताल कंजर्वेशन क्लब